>

Title: Need to make the Doordarshan Kendra established in Gangtok, Sikkim functional.

श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ला : सर, मुझे आपका संरक्षण चाहिए। यह विषय मुझे रखना पड़ेगा। भारत का एक अति संवेदनशील राज्य सिक्कम है जो तीन देशों की सरहद से जुड़ा हुआ है - नेपाल, चीन और भूटान। हालत यह है कि, जैसे आज सुबह महामहिम राष्ट्रपति जी के साथ जो फोटो सेशन हुआ, उसका भी कोई चित्र वहां दिखाई देने वाला नहीं है क्योंकि वहां कोई दूरदर्शन केंद्र नहीं है। आठ-दस सालों से वहां दूरदर्शन केंद्र तैयार है। आज तक उनकी भाषा में दूरदर्शन केंद्र शुरू नहीं है। कल की तारीख में जब मैंने माननीय मंत्री जी से इसी संदर्भ में प्रश्न पूछा था तो उन्होंने प्रसार भारती का हवाला देते हुए यह कहा कि प्रसार भारती ने सूचित किया है कि गैंगटोक का दूरदर्शन केंद्र शुरू है।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि वर्ष 2003-04 से यह केंद्र बना पड़ा है। वहां 36 का टैक्निकल स्टॉफ है, वहां हर चीज तैयार है, फिर भी वहां जो टीवी चलता है, सप्ताह में एक बार असम से, नॉर्थ-ईस्ट चैनल से उसी के लिए 10-15 मिनट का कार्यक्रम आता है। सिक्किम की जनता अपनी भाषा में दूरदर्शन देखना चाहती है। वह चाहती है कि भुजिया, लेपचा, नेपाली और लिम्बू में दूरदर्शन के कार्यक्रम दिये जायें। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि जल्द से जल्द वह दूरदर्शन केंद्र शुरू किया जाये। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं।